दही-बड़ा

सारे चूहों ने मिलजुल कर
एक बनाया दही-बड़ा।
सत्तर किलो दही मंगवाया
फिर छुड़वाया दही-बड़ा॥

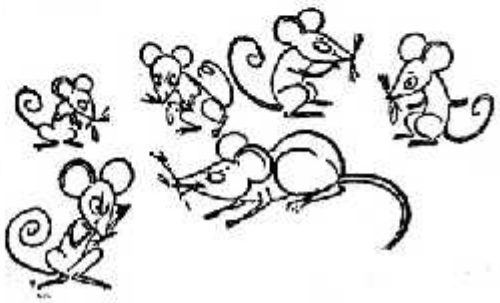

दिनभर रहा दही के अंदर
बहुत बड़ा वह दही-बड़ा।
फिर चूहों ने उसे उठाकर
दरवाज़े से किया खड़ा॥

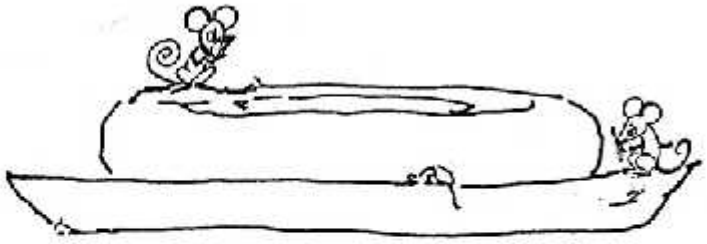

रात और दिन दही-बड़ा ही
सब चूहे अब खाते हैं।
मौज मनाते गाना गाते
कहीं न घर से जाते हैं॥

(डॉ. श्रीप्रसाद)

1. कविता का लेखक कौन है?

2. दही-बड़ा किसने बनाया?

3. कितने किलो दही में ये दही-बड़ा बना? ये दही-बड़ा कितना बड़ा रहा होगा?

4. चूहों ने दही-बड़े को दरवाज़े से क्यों खड़ा किया होगा?

5. चूहे अब दिन भर क्या करते हैं?

6. दही-बड़ा बनाने में जो न लगे उसे काट दो :-

शक्कर, नमक, उड़द दाल, अदरक, मिर्ची, धनिया, गेहूं, दूध,
दही, जीरा, मावा, लहसुन, इलायची, तेल, खोपरा, हल्दी, मूंगफली।

● *दही-बड़े बनाने के तरीके में जो नहीं होता, उसे काट दो -*

- उड़द दाल को पानी में भिगोकर रखो।
- शक्कर घोल लो।
- कुछ घंटे बाद दाल को पीस लो।
- मावा गरम करो।
- पीसी हुई दाल में नमक और मसाला मिला लो।
- तेल की कड़ाही गरम होने के लिये रख दो।
- कड़ाही में मावा डाल दो।
- कड़ाही को दो घंटे गरम होने दो।
- पिसी दाल के बड़े जैसे बनाकर कड़ाही में छोड़ो।
- कड़ाही में ही दही डाल दो।
- हल्के लाल होने पर निकालकर नमक वाले पानी में डालो।
- अब बड़े पानी से निचोड़कर, फेंटे हुए दही में डाल दो।
- ये दही-बड़े खाए जा सकते हैं।

काटने का काम हो जाने के बाद जो कुछ बचा हो उसे कॉपी पर उतार लो।

7. खाली स्थान भरो :-

एक चूहा खाता है।
सब चूहे .....।
रात को तारे निकलते हैं।
..... को सूरज ..... है।
चूहा घर से नहीं जाता।
..... घर से नहीं जाते।

अब इनसे वाक्य बनाओ

मोटा	पतला
धीरे	तेज़
मीठा	कड़ुआ

8. इन वाक्यों को पढ़ो -

दही-बड़ा इतना <u>बड़ा</u> था कि उसे सौ चूहे नहीं खा पाए।
लड्डू इतना <u>छोटा</u> था कि उससे एक चूहे का पेट भी नहीं भरा।

9. छोटू हलवाई 25 दही-बड़े बनाने के लिये आधा किलो दाल पीसता है। तो बताओ 100 दही-बड़े बनाने के लिये कितनी दाल पीसनी पड़ेगी?

इसी तरह 25 दही-बड़ों में छोटू के यहां ३ लोटे दही खप जाता है।
तो 100 दही-बड़ों के लिये कितने लोटे दही की जरूरत पड़ेगी?

10. आमतौर पर दही-बड़ा कितना बड़ा होता है। तुम्हारी पूरी कक्षा 70 किलो वाला दही-बड़ा खा पायेगी कि नही?

देगची की मौत

आफन्ती ने सेठ से गोश्त पकाने वाली एक खास देगची उधार ली। सेठ ने उसे बताया कि उसका किराया दिने के हिसाब से देना पड़ेगा।

कुछ दिनों बाद आफन्ती सेठ के यहां पहुंचा और खुशी से उछलते हुए बोला, बधाई हो! आपकी देगची ने एक बच्चा दिया है।

सेठ ने कहा, 'तुम ऊलजलूल बक रहे हो! देगची कैसे बच्चा दे सकती है?' आफन्ती ने बताया, 'तुम्हें विश्वास नहीं, तो देखो!' कहकर उसने थैले से एक छोटी देगची निकाली।

आफन्ती ने सेठ को छोटी देगची थमाते हुए कहा, 'यह एक सुंदर बच्चा है!' सेठ ने मन में सोचा, 'कहीं देगची ने सचमुच छोटी देगची को जन्म तो नहीं दे दिया!' उसने फौरन खुशी दिखाते हुए कहा, हां, छोटी देगची का

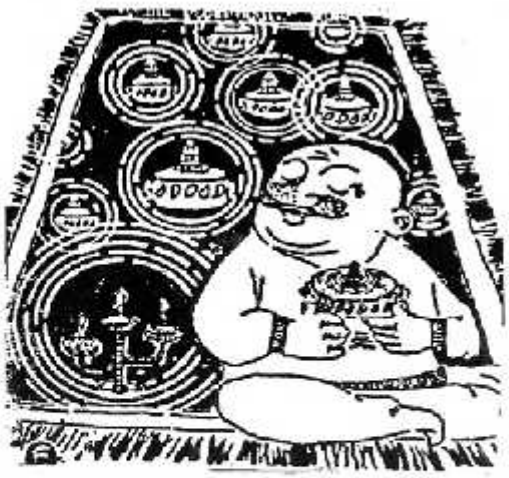

चेहरा मां से बहुत मिलता-जुलता है।' सेठ ने छोटी देगची रख ली। आफन्ती को विदा करते हुए सेठ ने बार-बार कहा, 'मेरी बड़ी देगची की अच्छी देखभाल करना ताकि मेरे लिए ज़्यादा बच्चे दे सके।' आफन्ती ने जबाव दिया, 'फिक्र न करें!'

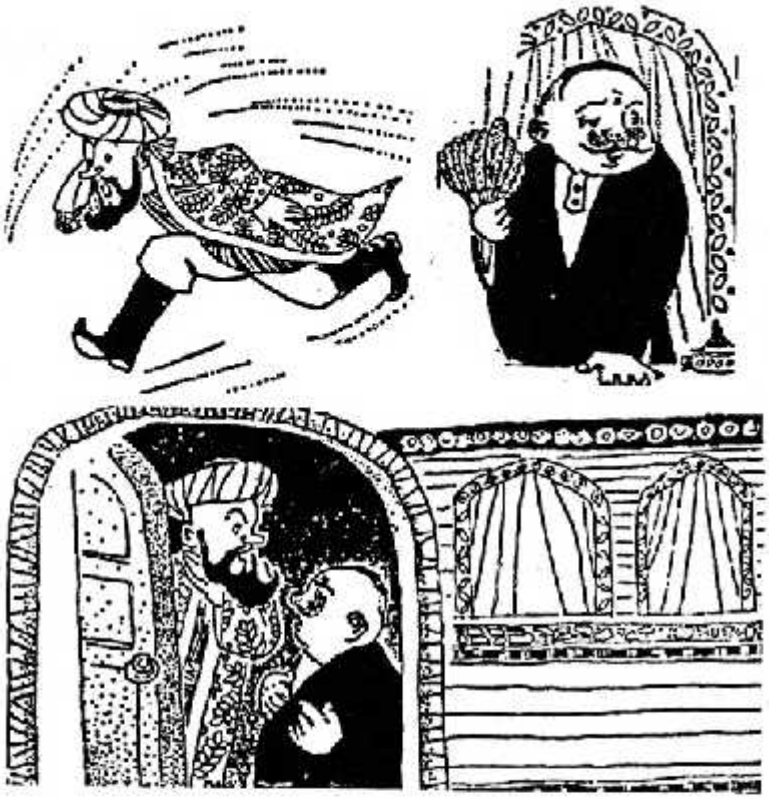

कुछ दिनों बाद आफन्ती फिर सेठ के घर पहुंचा। दाखिल होते ही उसने बहुत दुख से कहा, 'बड़ी बुरी खबर है!' सेठ ने पूछा, 'क्या बुरी खबर है?'

आफन्ती ने कहा, 'आपकी बड़ी देगची मर गई!' सेठ ने गुस्से में कहा, 'क्या ऊलजलूल बक रहे हो! धातु की देगची भला कैसे मर सकती है!'

आफन्ती ने आराम से जवाब दिया, 'आपने यह तो मान लिया था कि धातु की देगची बच्चा दे सकती है, पर यह मानने को तैयार नही हैं कि वह मर भी सकती है!'

1. *इन सवालों के उत्तर यहां लिखो*

– आफन्ती ने सेठ से किराये पर क्या लिया?

– आफन्ती खुश होकर सेठ के पास क्यों गया?

– आफन्ती दुखी होकर सेठ के पास क्यों गया?

- आफन्ती सेठ के यहां कैसे आता था?

2. देगची में क्या-क्या पकाते हैं?

3. तुम्हारे यहां की देगची और आफन्ती को सेठ से मिली देगची में क्या अंतर है? (*पुस्तक में दिए चित्रों में देगची को पहचान कर बताओ।*)

4. देगची के अलावा कौन-कौन से बर्तनों में पकाते हैं? उनके नाम लिखो और उनके चित्र भी बनाओ।

5. इनमे से किन चीजों के बच्चे नहीं होते? उन पर x का निशान लगाओ।

पंखा, गाय, आम का पेड़, गुलाब का पौधा, टेबिल, कुर्सी, किताब, मकड़ी, मोटर, पत्थर।

6. बच्चे देने वाली और बच्चे न देने वाली चीजों में तुम और क्या-क्या अंतर सोच सकते हो?
क्या ऐसी चीज़ भी मर सकती है, जिसके बच्चे नहीं होते?

7. दरबारीलाल की बेटी की शादी थी। मेहमानों का खाना पकाने के लिए उसने बर्तन किराये पर लिए। एक बड़ी देगची, दो छोटी देगचियां और एक बड़ी कढ़ाई।

बड़ी देगची का एक रोज़ का किराया था 12 रुपए। *छोटी देगची* का किराया था 8 रुपए रोज़ और **कढ़ाई** का किराया था 10 रुपए रोज़ का। दरबारीलाल ने 3 दिन के लिए बर्तन किराए पर लिए थे।

उसको कुल कितना किराया देना पड़ा? पूरा हल करो। ऐस

- बड़ी देगची का एक दिन का किराया-12 रु.
  तो बड़ी देगची का 3 दिन का किराया–
  एक छोटी देगची का एक दिन का किराया– 8 रु.
  तो 2 छोटी देगची का एक दिन का किराया
  तो 2 छोटी देगची का तीन दिन का किराया–
  कढ़ाई का एक दिन का किराया – 10 रु.
  कढ़ाई का तीन दिन का किराया–

कुल किराया

* ऐसे और भी सवाल बनाओ और हल करो। दोस्तों को भी ये सवाल हल करने को दो।

* कहानी में जहां-जहां लिखा है *आफन्ती ने कहा* उसके नीचे लाईन खींचो। इसके बाद कौन-सा चिह्न आता है? यह चिह्न कहानी में और कहां-कहां आया है?

* इस कहानी में प्रश्न-वाचक चिह्न(?) कहां-कहां आया है? उसपर गोला लगाओ।

तुम, भी कुछ प्रश्न बनाकर ऐसे चिह्न का उपयोग करो।

* (!) यह चिह्न कहानी में कहां-कहां आया है?
तुम्हे क्या लगता है, यह चिह्न कहां लगाया जाता है? बहनजी से चर्चा करो। ऐसे चिह्न वाले कुछ वाक्य बनाओ

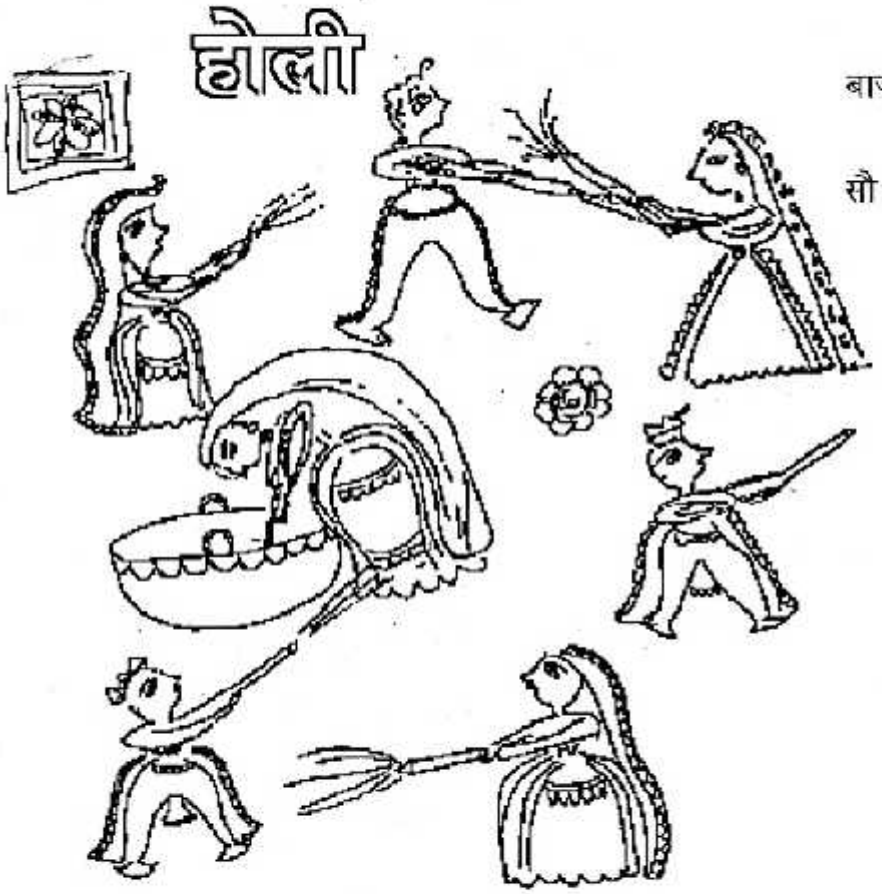

बाज़ार गली और कूचों में
जब शोर मचाया होली ने
सौ रंग भरे सौ रूप धरे
हर दिल को लुभाया होली ने ।

कुछ तबले खटके ताल बजी
कुछ ढोलक और मृदंग बजी
कुछ सारंगी और चंग बजी
कुछ तार तमूरों के झमके
कुछ घुंघरू खनके झनझन ।

हर दम नाचने गाने का
ये तार बंधाया होली ने ।
सौ रंग भरे सौ रूप धरे
हर दिल को लुभाया होली ने।

1 - जो होली के समय **नहीं** दिखता उसपर गोला लगाओ।

रंग, पानी, पटाखा, पिचकारी, बताशे, राखी, बाल्टी, सेवईया, नाच-गाना, झूले, रोज़े, आग, डोले, गुलाल, ताजिए, ढोलक, मिठाई, झांकियां

होली के समय और क्या-क्या मिलता है? चर्चा कर कापी में लिखो।

2 - कविता में कौन-कौन से बाजों की बात हुई है?

3 - चर्चा करो

- तुम्हें होली अच्छी लगती है? या बुरी लगती है? क्यों?

4 - होली पर कौन से गीत गाए जाते हैं? ऐसे गीत दोस्तों के साथ गाओ और उन्हें कॉपी पर लिखो।

5 - एक पिचकारी की कहानी बनाओ। वो कहाँ बनती है, किसने उसे खरीदा, उससे क्या किया, और होली के बाद उसका क्या हुआ?

6 - ये अभ्यास तुम्हें दो-दो की टोलियों में करना पड़ेगा। होली के बारे में अपने मन में कोई तीन वाक्य सोचो। अब तुम ये वाक्य अपने साथी को बताओ। तुम्हारे साथी को ये वाक्य अपनी पट्टी में लिखने हैं। इसलिये अपने वाक्य धीरे-धीरे कहना। फिर देखो साथी ने ठीक लिखा या नहीं।

इसके बाद साथी अपने मन में कोई तीन वाक्य सोचकर तुम्हें बताये और अब तुम्हारी बारी होगी उन्हें लिखने की। लिखने के बाद साथी को बताओ, सही लिखा या नहीं।

7 - होली का चित्र बनाओ। उस चित्र में जान बूझकर एक गड़बड़ चीज़ बनाओ। अपने साथियों को चित्र दिखाओ। क्या वे पता कर पाये कि तुमने क्या गड़बड़ की थी?

8 - इस चिट्ठी को ध्यान से पढ़ो।

मेरी प्यारी दोस्त ,

आज हमने खूब होली खेली। सुबह उठते साथ ही हमने खूब सारा ..... घोला। फिर उसें ..... में भरकर रंग खेला। मैं पूरी तरह से ..... गई। भैया ने मेरे ऊपर खूब ..... फेंका। पता है मैं .... घंटों तक नहाती रही ।

तुम्हारी,
सल्लो

- चिट्ठी में खाली स्थानों को भरो।
- तुम भी एक ऐसी चिट्ठी अपने साथी को लिखकर बताओ कि तुमने होली के दिन क्या-क्या किया, क्या देखा

9 - नीचे के शब्दों मे से चुनकर खाली स्थान भरो और कविता पूरी करो।

इक दिन दादी मुझसे बोली,
देखो जल रही है होली।
कल खेलेंगे हम सब——
और बजेगी खूब——
घर-घर होंगे खूब——
सब खाएंगे लाई——

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से बाजे बजाए जाते हैं?

रंग, बताशे, तमाशे, मृदंग

- **अभ्यास में दी कविता के लिए चित्र बनाओ। चित्र में रंग, बताशे और मृदंग भी हों।**

आओ, कुछ और अभ्यास करें :

1. होली का कोई गाना या कविता सबको सुनाओ और यहाँ लिखो।

2. होली के समय खेतों में कौन–कौन सी फसलें होती हैं, उनके नाम लिखो।

3. होली के समय जंगल में किस–किस पेड़ में फूल लगते हैं, उनके नाम लिखो।

4. क्या तुमने कभी टेसू /पलाश/ खकरा के फूल का रंग निकाला है? रंग निकालो और होली में प्रयोग करके देखो।

5. नीचे दिए शब्द कविता की किन–किन पंक्तियों में आए हैं। वे पंक्तियाँ कविता में से चुनकर लिखो।

   मृदंग,

   सारंगी,

   चंग,

   घुँघरू

6. तुम्हारे गाँव में होली किस तरह से मनाते हैं? नीचे लिखो।

7. होली के अलावा तुम्हारे गाँव में और कौन से त्यौहार मनाए जाते हैं? अलग–अलग लोग अलग–अलग त्यौहार मनाते होंगे। इसके बारे में अपने परिवार/आसपास के लोगों से पता करो और यहाँ लिखो।